ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय

कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 31-10-2023

हमीरपुर(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-31 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-01	2023-11-02	2023-11-03	2023-11-04	2023-11-05
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	31.0	31.0	31.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	17.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	71	68	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	44	41	38	38
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	5	5	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	68	45	252	23	202
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 4-5 दिनों के दौरान बहुत हल्के बादल रहेंगे और मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान सीमा 31.0-32.0 और 16.0-17.0 डिग्री के बीच। 65.0-72.0 और 38.0-45.0% के बीच अधिकतम और न्यूनतम सापेक्ष आर्द्रता सीमा। अधिकतर दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्व की ओर हवा की दिशा, 5.0-7.0 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 4-5 दिनों में वर्षा होने की कोई सम्भावना नही है, अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि रबी फसल की बुवाई से पूर्व मृदा व बीज उपचार अवश्य करें। मृदा उपचार के लिए 100 किग्रा. गोबर की सड़ी हुई खाद में 5 से 10 किग्रा. ट्राइकोडर्मा पाउडर या 2 से 3 ली. घोल को मिलाएं और इसे पॉलीथिन से 7 दिनों के लिए ढक दें। खेत में छिड़काव से पहले 3-4 दिनों के अंतराल पर मिश्रण को मिलाएं। 1 किलोग्राम बीज के उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा पाउडर की 5-10 ग्राम मात्रा, विशेष रूप से अनाज, दालों और तिलहन के लिए करें। उपचार करने के बाद बीज को छाया में सुखाकर बुवाई हेतु प्रयोग करना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि फफूंद जनित रोगों से बचाव के लिए दलहन, तिलहन व खाद्यान के बीजों का बुवाई से पूर्व उपचार अवश्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि सरसों की बिना देर किए बुवाई सम्पन्न करें। उन्नत प्रजातियाँ ही बुवाई में प्रयोग करें।
मसूर की दाल	मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि मसूर की बिना देर किए बुवाई सम्पन्न करें। उन्नत प्रजातियाँ ही बुवाई में प्रयोग करें।
चना	मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि चना की बिना देर किए बुवाई सम्पन्न करें। उन्नत प्रजातियाँ ही बुवाई में प्रयोग करें।
गेहूँ	मौसम को ध्यान में रखते हुए गेंहू की बुवाई हेतू खाली खेतों को तैयार करें तथा उन्नत बीज व खाद की व्यवस्था करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफॉस 20 ईसी @ 5 लीटर प्रति हैक्टर की दर से पलेवा के साथ प्रयोग करें। उर्वरक की मात्रा मिट्टी जाँच के अनुसार दें या नत्रजन, फास्फोरस तथा पोटाश उर्वरकों की मात्रा 120, 50 व 40 किग्रा. प्रति हैक्टर प्रयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि मटर की बिना देर किए बुवाई सम्पन्न करें। उन्नत प्रजातियाँ ही बुवाई में प्रयोग करें।
लहसुन	मौसम को देखते हुये मेंथी व लहसुन की बुवाई कर सकते हैं। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। लहसुन की उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य प्रयोग करें।
मेंथी	किसान इस समय सरसों साग- पूसा साग-1, मूली- जापानी व्हाईट, हिल क्वीन, पूसा मृदुला (फ्रेच मूली); पालक- आल ग्रीन, पूसा भारती; शलजम- पूसा स्वेती या स्थानीय लाल किस्म; बथुआ- पूसा बथुआ-1; मेथी- पूसा कसुरी; गांठ गोभी-व्हाईट वियना, पर्पल वियना तथा धनिया- पंत हरितमा या संकर किस्मों की बुवाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	पशुओं को हरा चारा के लिए अक्टूबर माह के अन्त तक लूसर्न, जई और बरसीम की बुवाई कर देनी चाहिए।
गाय	मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि दुधारू पशुओं को नियमित रूप से 1 किलो दाना (चूनी, चोकर) + 50 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति 2 लीटर दूध पर दें। बाह्य-परजीवी नियंत्रण के लिए ब्यूटाक्स या क्लीनर 2 मिली./लीटर पानी का जानवरों के पूरे शरीर पर प्रयोग करें। दवाओं के उपयोग के समय पशु के मुंह पर मास्क बाँधें। मच्छरों और अन्य कीड़ों से बचाव के लिए पशुशाला में धुआं करें। पशुओं को पानी के साथ 50-60 ग्राम नमक मिला कर अवश्य खिलाना चाहिए।